जैन शिक्षण पाठमाला

पाठ १ला. नीतिबोध ।

१ झूंठ कभी नहीं बोलना, बोलकर बदलना नहीं.

२ झूंठे खत पत्र नहीं लिखना.

३ खोटा नामा लिखकर या खोटे हिसाब गिनकर किसी को छेतरना नहीं.

४ किसी की थापन ओलवना नहीं.

५ झूंठी गवाही नहीं देना, व झूंठे सोगंद नहीं खाना.

६ किसी को कुबुद्धि या खोटी सलाह नहीं देना.

७ व्यापार में किसी को कमती नहीं देना और अधिक नहीं लेना.

८ व्यापार में एक चीज बता कर दूसरी नहीं देना.

९ तौल माप में फेर फार नहीं रखना यानि सरकार वा कमेटी ने मुकर्रर किये